











































































































































SHRI RAMESHWAR DAS BIRLA
1882 — 1973









साबरमती आश्रम सुरक्षा और स्मारक ट्रस्ट संचालित
गांधी स्मारक संग्रहालय का

उद्घाटन

भारत के प्रधान मंत्री

पंडित जवाहरलाल नेहरू के वरद हस्तों से

दि १० मई १९६३ के रोज

यह अशोक वृक्ष लगाकर हुआ ।

Prime Minister

Pandit Jawaharlal Nehru

declared open

The Gandhi Smarak Sangrahalaya

conducted by

The Sabarmati Ashram Preservation and Memorial Trust

on 10th May 1963 by Planting this Ashok tree



कृ
शुरुआत

BEC



સાલ્તમાર્ચ - ૧૯૩૦ના કાંચ નીચળાવ. સુપ્રમ કોરમ - ૧૯૩૦. NATIONAL UNIT - GANDHI NATIONAL LIBRARY







गान्धीजी की
GANDHI'S CLOTHES

HRIDAYA KUNJ
THESE WERE MAHATMA GANDHI'S
AND KASTURBA'S
RESIDENTIAL QUARTERS
FROM 1918 TO 1930.
FROM HERE WERE INSPIRED
ALL HIS NATIONAL ACTIVITIES.
IT WAS FROM HERE THAT THE
FAMOUS DANDI MARCH
RECALLING BUDDHA'S RENUNCIATION
OF OLD, BEGAN ON
12TH MARCH 1930.

2-12-1930



हृदयकुंज
यह स्थान वरसों तक
महात्मा गांधी और श्रीमती कस्तूरबा
निवासस्थान रहा है।
यही वह स्थान है जहांसे गांधीजीकी
जपनी सब राष्ट्रीय प्रवृत्तियोंकी
प्रेरणा हुई थी।
और इसी स्थानसे भगवान बुद्धके
महाभिनिष्क्रमणका स्मरण करानेवाली
सन् १९३० की जगप्रसिद्ध दांडी यात्रा
आरंभ हुई थी।
५-११-१९३६

HRIDAYA KUNJ
THESE WERE MAHATMA GANDHI'S
AND KASTURBA'S
RESIDENTIAL QUARTERS
FROM 1918 TO 1930.
FROM HERE WERE INSPIRED
ALL HIS NATIONAL ACTIVITIES.
IT WAS FROM HERE THAT THE
FAMOUS DANDI MARCH
RECALLING BUDDHA'S RENUNCIATION
OF OLD, BEGAN ON
12TH MARCH 1930.
2-10-1935



हृदयकुज
यह स्थान वरसों तक
महात्मा गांधी और श्रीमती कस्तूरबाका
निवासस्थान रहा है।
यही वह स्थान है जहांसे गांधीजीको
अपनी सब राष्ट्रीय प्रवृत्तियोंकी
प्रेरणा हुई थी।
और इसी स्थानसे भगवान बुद्धके
महाभिनिष्क्रमणका स्मरण करानेवाली
सन् १९३० की जगप्रसिद्ध दांडी यात्रा
आरंभ हुई थी।
२-१०-१९३६



सत्याग्रहश्रम प्रायः कृतं यः।
इसी स्थानसं गांधीजीने अनेक धर्मप्रवचन
किये थे, जिनकी पवित्र स्मृति आज भी बानावणमें
गूँजती लो प्रतीत होती है और
यही वह स्थान है जो गांधीजीके कड़े आत्मपरीक्षणमें
सत्याग्रहश्रम नामके योग्य ठहरा था।

UPASANAMANDIR.

THE PLACE CONSECRATED FOR
MORNING AND EVENING PRAYERS
OF THE INMATES OF THE ASHRAM,
WHERE THE HALLOWED VOICE OF
MANY A SERMON OF GANDHIJEE
STILL LINGERS AND WHICH ALONE,
IN GANDHIJEE'S STERN SELF-EXAMINATION
DESERVED THE NAME OF
SATYAGRAHASHRAM.

2-10-1936

कृपया
यहीं ध्यान प्रार्थना ही करें
PLACE ONLY FOR
PRAYERS & MEDITATION



उपासना मंदिर

यह वही पवित्र उपासनाभूमि है
जहां पर सत्याग्रहाश्रमके निवासी भाई यहन
सुबहशाम प्रार्थना करते थे।
इसी स्थानसे गांधीजीने अनेक धर्मप्रवचन
किये थे, जिनकी पवित्र ध्वनि आज भी वातावरणमें
गूंजती सी प्रतीत होती है, और
यही वह स्थान है जो गांधीजीके कड़े आत्मपरीक्षणमें
सत्याग्रहाश्रम नामके योग्य ठहरा था।

UPASANA MANDIR

THE PLACE CONSECRATED FOR
MORNING AND EVENING PRAYERS
OF THE INMATES OF THE ASHRAM,
WHERE THE HALLOWED VOICE OF
MANY A SERMON OF GANDHIJEE
STILL LINGERS AND WHICH ALONE,
IN GANDHIJEE'S STERN SELF-EXAMINATION
DESERVED THE NAME OF
SATYAGRAHASHRAM.

2-10-1936













































































































CONVENTION
LIC'S SPLIT-UP

IA
restaurant

Rasga



CONVENTION
LIC'S SPLIT-UP
SCHEDULED FOR APRIL 24, 1962 AT 3:00 P.M.
GEORGE FERNANDES, MONTE SEX
P. X. KURIANE, RAMANSHAI SHAN









[Blacked out sign]

IA restaurant

Rasna

CONVENTION
LIC'S SPLIT-UP
[Small text below]
[Small text below]
[Small text below]
[Small text below]







































































